एशियाई खेल 2014 में भारत

2014 के एशियाई खेल 10 सितंबर से 4 अक्तूबर 2014 के बीच दक्षिण कोरिया के शहर इंछन में आयोजित किए गए। चीन लगातार नौंवी बार पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। उसके बाद दक्षिण कोरिया और जापान का स्थान था। चीन ने 151 स्वर्ण पदक जीते जबकि मेजबान दक्षिण कोरिया को 79 स्वर्ण पदक मिले। सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जापान के तैराक कोसुके हजीनो को मिला, जिसने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में 4 स्वर्ण पदक सहित कुल 7 पदक जीते। 11 स्वर्ण, 10 रजत और 36 कांस्य पदक जीत कर भारत 8वें स्थान पर रहा।

2010 के ग्वांगझू एशियाई खेलों में भारत ने 14 स्वर्ण पदक जीते थे, इसे देखते हुए इंछन खेलों में 11 स्वर्ण पदक के साथ भारत के निष्पादन में थोड़ी कमी आई है। इनमें से 4 स्वर्ण पदक एथलेटिक्स (2) और कबड्डी (2) में मिले हैं। शेष स्वर्ण पदक तीरंदाजी, बॉक्सिंग, हॉकी, निशानेबाजी, स्क्वैश, टेनिस और कुश्ती प्रतिस्पर्धाओं में भारत ने जीते हैं।

निशानेबाजी में जीतू राय ने चीन के वांग्झीवेई और दक्षिण कोरिया के दो बार के ओलिम्पिक चैम्पियन तथा पिछले विश्व चैम्पियन जॉन गोह जैसे दिग्गज निशानेबाजों को हरा कर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।

योगेश्वर दत्त ने अपनी खास शैली का परिचय देते हुए कुश्ती में 28 वर्ष बाद भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में सफलता प्राप्त की। लंदन ओलिम्पिक खेलों के कांस्य पदक विजेता ने पुरुषों की 65 किलोग्राम फ्री-स्टाइल कुश्ती के मुकबले में प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

टेनिस में सानिया और साकेत मिनेनी की जोड़ी ने चीनी ताइपेई जोड़ी को हरा कर मिक्स्ड डबल्स का स्वर्ण पदक जीता। सानिया ने प्रार्थना के साथ मिल कर महिलाओं के डबल्स मुकाबले में कांस्य पदक भी जीता। टेनिस में इन दो पदकों के अलावा मिनेनी और सनम सिंह की जोड़ी ने पुरुषों के डबल्स में रजत पदक जीता जबकि यूकी भांबरी और दिवजीशरण को कांस्य पदक मिला।

एशियाई खेलों में 16 वर्ष बाद भारत ने पुरुषों की हॉकि प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इससे भारत को 2016 में होने वाली ग्रीष्मकालीन ओलिम्पिक हॉकि प्रतियोगिता में सीधे प्रवेश मिल गया। गोलकीपर पी.आर. सर्जेश ने निर्णायक पेनल्टी शूट आउट में दृढ़ता और साहस पूर्वक पाकिस्तानी खिलाड़ियों के गोल करने के प्रयासों को विफल कर दिया और भारत को 4-2 से जीत दिलाई।

कबड्डी में ईरान को हरा कर भारत ने पुरुषों और महिलाओं, दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पुरुषों की टीम ने ईरान के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए लगातार सातवीं बार कबड्डी का स्वर्ण पदक हासिल किया। महिलाओं की कबड्डी टीम भी लगातार दूसरी बार कबड्डी का स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब रही।

अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने में पुरुषों की तीरंदाजी टीम, मैरीकोम (महिलाओं के मुकाबले में पहली बार), महिला डिस्कस थ्रोअर सीमा पूनिया और 4 गुना 400 मीटर रिले टीम का योगदान रहा। भारत 2002 से रिले प्रतियोगिता लगातार जीत रहा है। भारतीय रिले टीम ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पिछले रिकार्ड को बेहतर किया और लगातार चैथी बार स्वर्ण पदक जीता।

भारत की पुरुषों की स्क्वैश टीम ने फाइनल मुकाबले में सौरव घोषाल के नेतृत्व में मलेशिया को 2-0 से हरा कर एशियाई खेलों का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। दीपिका पल्लीकल और अनाका अलंकामोनी के नेतृत्व में महिलाओं की स्क्वैश टीम फाइनल मुकाबला हार कर रजत पदक जीत सकी।

भारतीय एथलीट कुछ नई प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीतने में भी कामयाब रहे। इनमें कम्पाउंड तीरंदाजी, महिलाओं की 20 किलोमीटर वाक और नौकायन भी शामिल है। खुशबीर कौर महिलाओं की 20 किलोमीटर रेस वाक में दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत पदक जीता। वर्षा गौतम और ऐश्वर्य नेडुचेरियन ने महिलाओं की दो व्यक्तियों की डिंग्गी सेलिंग में कांस्य पदक जीता।

समापन समारोह के दौरान ओसीए ध्वज अगले खेलों के जन प्रतिनिधियांे को सौंपा गया, जो 2018 बेग जकार्ता में होंगे।

'सो-गो चुम'

'सो-गो चुम' एक नृत्य है जो हाथ में लिए जाने वाले एक छोटे ड्रम, सो-गो की ध्वनि के साथ किया जाता है। कोरिया के किसानों का यह अत्यंत लोकप्रिय नृत्य है, जिसे 2014 के एशियाई खेलों के समापन समारोह में प्रदर्शित किया गया।

सील मछली के चितकबरे बच्चे

इंछन के सोंग डो द्वीप में सम्पन्न हुए इन खेलों का प्रतीक चिह्न सील मछली के तीन चितकबरे बच्चों को बनाया गया था। इन मछलियों के नाम थे -बरामे, चूमूरो और वीचुओन, जिनका कोरियाई भाषा में अर्थ है, पवन, नृत्य और प्रकाश। ये तीनों मुख्य स्थल के विषय के अनुकूल थे।

रोंगगेंग

रोंगगेंग जावा के नृत्य का एक रूप है जिसमें युगल री-बब अथवा सितार के संगीत के साथ गीतों में संवाद करते हुए नृत्य करते हैं। 2014 के एशियाई खेलों के समापन के अवसर पर यह नृत्य भी पेश किया गया।

भारत के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

नाम	खेल	स्पर्धा
जीतू राय	निशानेबाजी पुरुषों की 50	मीटर पिस्टल
रजत चैहान संदीप कुमार अभिषेक वर्मा	तीरंदाजी	पुरुषों की मिश्रित टीम
सौरव घोषाल महेष मंगा मंगांवकर हरिंदरपाल संधू कुश कुमार	स्क्वैश	पुरुषों की टीम
योगेश्वर दत्त	कुश्ती	पुरुषों की 65 कि.ग्रा. फ्रीस्टाइल
सीमा पूनिया	एथलेटिक्स	महिलाओं की डिस्कस थ्रो
सानिया मिर्जा साकेत मिनेनी	टेनिस	मिक्सड डब्ल्स
मैरी कॉम	मुक्केबाजी	महिलाओं की 51 कि.ग्रा.
पुरुषों की हॉकि टीम	फील्ड हॉकी	पुरुष
प्रियंका पवार टिंटू लूका मनदीप कौर एम आर पूवम्मा	एथलेटिक्स	महिलाओं की 4x400 मीटर
महिला कब्बड्डी टीम	कब्बड्डी	महिला
पुरुष	कब्बड्डी	पुरुष